

छापेमारी / पटना जंक्शन पर 1.10 करोड़ का विदेशी सोना बरामद, 3 गिरफ्तार

Dainik Bhaskar | Apr 05, 2019, 04:27 AM IST



- तस्करों के कैरियर ने मलद्वार में छिपा रखा था 3.3 किलो सोना, बिस्कुट की शेप में था सोना
- म्यामांर बॉर्डर के जरिए आया था कंसाइनमेंट
- दिल्ली में होनी थी डिलिवरी, डीआरआई की छापेमारी में खुला राज

पटना. डीआरआई (राजस्व खुफिया निदेशालय) की टीम ने गुरुवार की शाम पटना जंक्शन पर छापेमारी कर 1.10 करोड़ का विदेशी सोना जब्त कर लिया। इस दौरान तस्करों के तीन कैरियर को पकड़ा गया। तलाशी में तीनों कैरियर के मलद्वार से 3319 ग्राम (3.3 किलो से अधिक) सोना निकला। बरामद सोना स्विट्जरलैंड निर्मित है। इसकी डिलिवरी दिल्ली में होनी थी।

कैरियरों का ग्रुप विदेशी सोना का कंसाइनमेंट लेकर संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस से दिल्ली जाने के लिए पटना जंक्शन पहुंचा था। इसकी भनक मिलते ही हरकत में आई डीआरआई की टीम ने प्लेटफॉर्म नंबर 4 पर घेराबंदी करके तीनों कैरियर को अपनी गिरफ्त में ले लिया। आरंभ में कैरियरों ने जांच टीम को बरगलाने की कोशिश की। हालांकि, बाद में खुद ही अपने मलद्वार में छिपा कर रखे गए सोना को निकाला।

सभी सोना बिस्कुट के शेप में था।

तस्करी के लिए विशेष ट्रेनिंग दी जाती है : गिरफ्तार तीनों कैरियर अशोक कुमार, अभिमन्यु और अर्जुन कुमार पंजाब के अमृतसर के मूल निवासी हैं। सूत्रों के मुताबिक खास तरीके से मलद्वार में सोना या मादक पदार्थ आदि छिपाए जाते हैं। इसे लेकर बाकायदा कैरियरों को ट्रेड किया जाता है, ताकि वे आसानी से सोना को छिपाने के साथ ही निकाल सके।

म्यांमार बॉर्डर के जरिए आया था कंसाइनमेंट : विदेशी सोना का कंसाइनमेंट म्यांमार बॉर्डर के जरिए तस्करी करके लाया गया था। मोरेह इलाके में सीमा पार करने के बाद कैरियरों का ग्रुप गुवाहाटी पहुंचा। इसमें बाद ट्रेन से हाजीपुर पहुंचे। फिर वहां से टेम्पो से पटना जंक्शन आए थे। बहरहाल डीआरआई की टीम तीनों कैरियर से पूछताछ कर रही है।

25 से 50 हजार रुपए प्रति खेप कैरियरों का कमीशन

आरंभिक जांच में पता चला है कि कैरियरों का यह ग्रुप हर माह तीन से 4 कंसाइनमेंट की डिलिवरी कर रहा था। बीते करीब तीन महीने से यह ग्रुप लगातार एक्टिव था। हर कंसाइनमेंट (खेप) के बदले एक कैरियर को 25 से 50 हजार रुपए मिलते थे।

सोने की तस्करी में खपाया जा रहा कालाधन, हो रही मोटी कमाई

सूत्रों के मुताबिक सोना की तस्करी में कालेधन (ब्लैक मनी) को भी खपाया जा रहा है। दरअसल म्यांमार में टैक्स आदि कम होने से वहां सोना सस्ता मिल जाता है। इसके बाद उसे तस्करी कर देश में चोरी-छिपे लाने पर 25 प्रतिशत तक टैक्स भी बचता है। इसमें सरकार को राजस्व की हानि होती है, पर तस्करों को मोटी कमाई होती है।

15 महीने में तीसरा कंसाइनमेंट पकड़ा गया : सोना तस्करी के पीछे तस्करों का इंटरनेशनल सिंडिकेट सक्रिय है। डीआरआई द्वारा बीते 15 महीने में तीसरी बार विदेशी सोना का कंसाइनमेंट पकड़ा गया है। इस दौरान 10.5 किलो से अधिक सोना बरामद किए जा चुके हैं। इसमें 5 किलो सोना का सबसे बड़ा कंसाइनमेंट पिछले साल जनवरी, 2018 में बरामद किया गया था। बीते दिसंबर माह में राजेंद्रनगर टर्मिनल पर पकड़े गए तस्करों से करीब सवा 2 किलो सोना जब्त किया गया था।

Patna: DRI recovers 3.3kg gold, arrests three

TNN | Apr 5, 2019, 06.45 AM IST



PATNA: Sleuths of Directorate of Revenue Intelligence (DRI) on Thursday recovered 20 gold bars weighing 3.3kg from three smugglers who were about to board the Sampurna Kranti Express for New Delhi from platform number four of Patna junction.

The gold bars were found hidden in the rectum of the smugglers. DRI sources said, “The three smugglers were identified as Ashok Kumar (55), Abhimanyu Kumar (30) and Arjun Kumar (25), all native of Amritsar. The trio were about to board the train when they were apprehended and taken to the DRI office.”

“The seized Swiss gold is worth around Rs 1.1 crore in the open market and was first smuggled to Myanmar from where it was further smuggled into Indian territory from the international border at Moreh in Manipur,” a senior DRI officer said.

He said that eight gold bars in two condoms were hidden inside Ashok’s rectum while the rest two had also inserted six bars each in condoms.

“The smugglers during investigation confessed that it was their fourth trip for selling smuggled gold which they had sold at several shops of Chandni Chowk in Delhi. While Ashok used to get Rs 50,000 for each trip, the rest used to get Rs 25,000. The trio had first reached Guwahati from Moreh. From there, they had boarded the Dibrugarh-Chandigarh Express and reached Hajipur in Vaihsali on Wednesday evening,” DRI sources said.

“This was the first case of gold smuggling in such a way reported in the state. Further investigation is on to nab all the culprits involved in the case,” sources added.